

मेरा दिल करता है श्याम को मैं घर पे ले लाऊँ लिरिक्स



ये देख तमाशा जग का,
भीतर से दुःख पाऊँ,
मेरा दिल करता है,
श्याम को मैं घर पे ले लाऊँ,
मेरा दिल करता है,
श्याम को मैं घर पे ले लाऊँ।

तर्ज - उस बांसुरी वाले की।

तुझे अपने पास बिठा के,
रख लूँ मैं तुम्हे छुपा के,
मतलब से भरी निगाहें,
ना देखे नज़र उठा के,
बस तू हो बाबा, मैं हूँ,
मैं भजन तेरे गाऊँ,
मेरा दिल करता है,
श्याम को मैं घर पे ले लाऊँ।

जो चमत्कार को तेरे,
ये नमस्कार करते हैं,
व्यापार करे वो बाबा,
ना तुमसे प्यार करते हैं,
मैं सेवा करूँगा, तेरी,
तुझसे ना कुछ चाहूँ,
मेरा दिल करता है,
श्याम को मैं घर पे ले लाऊँ।

तू देना छोड़ दे बाबा,
ना भेज तू खर्चा घर का,
आते है लौट के कितने,
फिर देख नज़ारा दर का,
हो जाए 'सचिन', का बाबा,
कुछ ऐसा कर जाऊँ,
मेरा दिल करता है,
श्याम को मैं घर पे ले लाऊँ।



ये देख तमाशा जग का,
भीतर से दुःख पाऊँ,
मेरा दिल करता है,
श्याम को मैं घर पे ले लाऊँ,
मेरा दिल करता है,
श्याम को मैं घर पे ले लाऊँ।

Singer – Mukesh Kumar Meena
